बन्नो मारो चारभुजा रो नाथ भजन लिरिक्स

बन्नो मारो चारभुजा रो नाथ,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

विनायक रिद्धि सिद्धि संग लाया जी,
विनायक रिद्धि सिद्धि संग लाया,
रसोड़े कुबेर भंडार खुलाया जी,
रसोड़े कुबेर भंडार खुलाया,
गंधर्व गीत गजब का गाया,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

देवकी वासुदेव हर्षाया जी,
देवकी वासुदेव हर्षाया,
यशोदा नंदजी पाट बैठाया,
यशोदा नंदजी पाट बैठाया,
सुभद्रा घी का दीप संजोया,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

बाराती शिव ब्रह्मा मन भाया जी,
बाराती शिव ब्रह्मा मन भाया,
गरुड़ चढ़ लक्ष्मी पति भी आया,
गरुड़ चढ़ लक्ष्मी पति भी आया,
ऐरावत इन्दर चढ़ आया,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

बिहारी गुरु रघुवीर संग में आया जी,
बिहारी गुरु रघुवीर संग आया,
चेतन मन का फूल बिछाया जी,
चेतन मन का फूल बिछाया,
भगता मिलकर भगवत सजाया,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

उमर भर गुणा भजन सुनाया,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उमर भर गणा भजन सुनाया,
कदी नहीं अस्या विन्द परणाया,
कदी नहीं अस्या विन्द परणाया,
ओंकारा थारी मोटी किस्मत भाया,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

बन्नो मारो चारभुजा रो नाथ,
बन्नी मारी तुलसा लाडली।bd।

Singer – Jagdish Vaishnav Ji
प्रेषक – रोशन कुमावत भेरुखेड़ा
8770943301

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com